'सांस्कृतिक विविधताओं से भरा है देश'

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली : वजीराबाद रोड स्थित दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज में बुधवार को दो दिवसीय वार्षिकोत्सव चेतना-2019 का आगाज हुआ। इस वर्ष वार्षिकोत्सव अतुल्य भारत थीम पर आधारित है। इसमें मुख्य रूप से गुजरात में सरदार बल्लभ भाई पटेल की विश्व की सबसे ऊंची मूर्ति स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिकल्पना करने वाले मूर्तिकार राम वी. सुतार रहे। इसमें दिल्ली विश्वविद्यालय, आइपी विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय सहित एनसीआर के कई विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, पेंटिंग सहित अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

जीके अरोड़ा ● जागरण

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जीके अरोड़ा ने कहा कि देश सांस्कृतिक विविधताओं से भरा है, अनेकता में एकता इस देश की पहचान है। कॉलेज हर वर्ष अपने वार्षिकोत्सव चेतना के माध्यम से इस विरासत को विस्तार देने की कोशिश करता आया है। मूर्तिकार राम वी. सुतार (94) ने कहा कि कलाकार की सफलता का मूल मंत्र अभ्यास है। कलाकार को जीवनभर अभ्यास करते रहना चाहिए। अभ्यास वह ताकत है जिससे असंभव को संभव बनाया जा सकता है। पत्थर के बीच फूल खिलाए जा सकते हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा, कभी हार नहीं मानना, क्योंकि कोशिश करने से किसी न किसी दिन जीत जरूर मिलेगी। वार्षिकोत्सव और सांस्कृतिक समिति की संयोजक डॉ. संगीता धर ने कॉलेज की वार्षिक रिपोर्ट पेश की। उन्होंने कहा इस वार्षिकोत्सव के साथ-साथ कॉलेज की सांस्कृतिक यात्रा के तौर पर परिभाषित किया।